भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1829
गुरुवार, 5 दिसंबर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

त्योहारी सीजन में हवाई किराये में वृद्धि

1829. श्री उत्कर्ष वर्मा मधुरः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास त्योहारों और छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा के किराए में वृद्धि के मुद्दे का समाधान करने के लिए कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की पूरे वर्ष हवाई यात्रा के किराए में एकरूपता बनाए रखने के लिए कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) 'कोचीन' हवाई अड्डे की तर्ज पर देश में सौर ऊर्जा पर आधारित विकसित किए जाने वाले हवाई अड्डों का राज्य- वार ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): अधिक विमान बेड़े को शामिल करके क्षमता में वृद्धि, हवाईअड्डों के आधुनिकीकरण और नए हवाईअड्डों के विकास से घरेलू यात्री यातायात वर्ष 2022-23 में 136,028,656 की तुलना में वर्ष 2023-24 में बढ़कर 153,674,310 हो गया है। वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में सितंबर तक घरेलू यात्री यातायात (79,345,065), वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के दौरान की यात्री (75,358,445) को पार कर गया है, जो 5.3% की वृद्धि दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, एयरलाइनों और ऑनलाइन टिकटिंग एजेंटों (ओटीए) के साथ निरंतर संपर्क और सरकार द्वारा हवाई किराए की उतार-चढ़ाव पर नज़र रखने से, वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में हवाई किराए में कमी आई है। एयरलाइनों को हवाई किराए तय करते समय तर्कसंगतता सुनिश्चित करने और यात्रियों के हितों को ध्यान में रखने के लिए भी जागरूक किया गया है। उल्लेखनीय है कि त्यौहार के समय के दौरान, विभिन्न सेक्टरों में हवाई किराए में कमी देखी गई थी।

एयरलाइनों द्वारा अपने वेबसाइट के होम पेज के प्रमुख स्थान पर टैरिफ शीट प्रदर्शित करना अनिवार्य है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टैरिफ मॉनीटरिंग इकाई (टीएमयू) की स्थापना की है, जो मासिक आधार पर एयरलाइनों की वेबसाइटों का उपयोग करके औचक आधार पर चयनित घरेलू सेक्टरों पर हवाई किराए की मॉनीटरिंग करती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एयरलाइनें उनके द्वारा घोषित सीमा से अधिक हवाई किराया न वसूलें।

हवाई किराए सरकार के विनियमन के अध्यधीन नहीं हैं और एयरलाइनें, वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 135 का पालन करते हुए अपनी प्रचालन आवश्यकताओं के आधार पर अपने हवाई किराए का निर्धारण कर सकती हैं। यद्यपि सरकार बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए समान्यतः हवाई किराए को विनियमित नहीं करती है, तथापि वह सतर्क रहती है, और यात्रियों की सुविधा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक मूल्य निर्धारण को रोकने हेतु एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर में क्षमता अंतरित करने के लिए हस्तक्षेप करती है।

हवाई किराए परिवर्तनशील स्वरूप के होते हैं और ये मांग और आपूर्ति के सिद्धांत पर आधारित होते हैं। भारत में हवाई किराए की कीमतों के रुझानों में काफी हद तक सीजनेलिटी, प्रचलित ईंधन मूल्य, मार्ग पर परिचालन करने वाले विमानों की क्षमता, क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, मौसम, छुट्टियां, त्यौहार, लंबे सप्ताहांत, कार्यक्रम (खेल, मेले, प्रतियोगिताएं), आदि परिलक्षित होते हैं। इसके अतिरिक्त, हवाईअड्डों पर परिचालन बाधाओं से हवाई किराए का मूल्य निर्धारण काफी प्रभावित होता है। पर्यटकों की अधिक मांग वाले मार्गों पर परिचालन, इलाके, मौसम की स्थिति और प्रतिबंधित परिचालन समय द्वारा लगाई गई सीमाओं के अध्यधीन होता है। सीमित क्षमता और बढ़ी हुई मांग के संयोजन से हवाई किराए में उतार-चढ़ाव होता है।

भारतीय विमानन उद्योग की जटिल परिवर्तनशीलता को देखते हुए, सरकार इस क्षेत्र के विकास में सहयोग प्रदान करने के लिए सक्षमकारी वातावरण बनाकर सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है।

(ग): वर्ष 2015 में कोचीन हवाईअड्डा पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा, अर्थात हरित ऊर्जा से प्रचालित विश्व का पहला हवाईअड्डा बन गया। तब से, 79 और हवाईअड्डों ने 100% हरित ऊर्जा के उपयोग को अपनाया है। इन 80 हवाईअड्डों की राज्यवार सूची अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

नागर विमानन मंत्रालय ने सभी अनुसूचित प्रचालन कर रहे कार्यशील हवाईअड्डों और तैयार हो रहे ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकासकर्ताओं को कार्बन न्यूट्रेलिटी और नेट जीरो प्राप्त करने की दिशा में काम करने की सलाह दी है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ हरित ऊर्जा का उपयोग भी शामिल है।

अनुलग्नक

100% हरित ऊर्जा का उपयोग करने वाले 80 हवाईअड्डों की राज्यवार सूची

क्र. सं.	हवाईअड्डा	राज्य	100% हरित ऊर्जा उपयोग प्राप्ति का वर्ष
1	विशाखापट्टनम	आंध्र प्रदेश	2023
2	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश	2023
3	राजमुंदरी	आंध्र प्रदेश	2023
4	तिरुपति	आंध्र प्रदेश	2023
5	कडप्पा	आंध्र प्रदेश	2024
6	तेजु	अरुणाचल प्रदेश	2021
7	रायपुर	छत्तीसगढ़	2024
8	दिल्ली	दिल्ली	2022
9	गोवा	गोवा	2024
10	वडोदरा	गुजरात	2023
11	कांडला	गुजरात	2023
12	भावनगर	गुजरात	2023
13	जामनगर	गुजरात	2023
14	भुज	गुजरात	2023
15	राजकोट	गुजरात	2023
16	पोरबंदर	गुजरात	2023
17	केशोद	गुजरात	2024
18	कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश	2021
19	शिमला	हिमाचल प्रदेश	2021
20	कुल्लू	हिमाचल प्रदेश	2021
21	जम्मू	जम्मू और कश्मीर	2021
22	श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर	2021
23	बेंगलुरु	कर्नाटक	2022
24	हुबली	कर्नाटक	2022
25	बेलगावी	कर्नाटक	2022
26	मैसूर	कर्नाटक	2022
27	कोचीन	केरल	2015
28	कालीकट	केरल	2024
29	लेह	लद्दाख	2021
30	भोपाल	मध्य प्रदेश	2023
31	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	2023
32	जबलपुर	मध्य प्रदेश	2023
33	खजुराहो	मध्य प्रदेश	2023
34	इंदौर	मध्य प्रदेश	2023
35	नासिक	महाराष्ट्र	2019
36	मुंबई	महाराष्ट्र	2022
37	जलगांव	महाराष्ट्र	2022
38	कोल्हापुर	महाराष्ट्र	2022
39	पुणे	महाराष्ट्र	2022
40	औरंगाबाद	महाराष्ट्र	2022
41	गोंदिया	महाराष्ट्र	2022
42	अकोला	महाराष्ट्र	2022
43	शोलापुर	महाराष्ट्र	2022
44	जुहू	महाराष्ट्र	2022
45	इम्फाल	मणिपुर	2021
46	दीमापुर	नगालैंड	2021
47	भुवनेश्वर	ओडिशा	2023

48	झारसुगुडा	ओडिशा	2023
49	पुदुचेरी	पुदुचेरी	2022
50	आदमपुर	पंजाब	2024
51	पठानकोट	पंजाब	2024
52	बठिंडा	पंजाब	2024
53	अमृतसर	पंजाब	2024
54	लुधियाना	पंजाब	2024
55	पाक्योंग	सिक्किम	2021
56	चेन्नई	तमिलनाडु	2023
57	कोयंबटूर	तमिलनाडु	2023
58	त्रिची	तमिलनाडु	2023
59	मदुरै	तमिलनाडु	2023
60	तूतीकोरिन	तमिलनाडु	2023
61	हैदराबाद	तेलंगाना	2023
62	बेगमपेट	तेलंगाना	2023
63	कानपुर (सी)	उत्तर प्रदेश	2021
64	हिंडन	उत्तर प्रदेश	2023
65	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश	2023
66	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश	2023
67	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	2023
68	बरेली	उत्तर प्रदेश	2023
69	कुशीनगर	उत्तर प्रदेश	2023
70	कानपुर (सीएचके)	उत्तर प्रदेश	2023
71	मेरठ	उत्तर प्रदेश	2023
72	आगरा	उत्तर प्रदेश	2023
73	मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	2024
74	अयोध्या	उत्तर प्रदेश	2024
75	पंतनगर	उत्तराखंड	2021
76	देहरादून	उत्तराखंड	2021
77	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	2023
78	बेहाला	पश्चिम बंगाल	2023
79	बागडोगरा	पश्चिम बंगाल	2023
80	कूच बिहार	पश्चिम बंगाल	2023

*****